कांवड़ यात्रा सामाजिक एकता और श्रद्धा का प्रतीकः डॉ.यादव

जबलपुर में मुख्यमंत्री ने कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि श्रद्धा, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का प्रतीक है। सावन के दूसरे सोमवार को जबलपुर में आयोजित संस्कार कांवड़ यात्रा में शामिल होकर मुख्यमंत्री ने कांवड़ियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने पूज्य दादा गुरु के साथ कांवड़ उठाकर यात्रा में हिस्सा लिया और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ प्रदेश के प्रमुख धर्मस्थलों पर भी सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

डॉ. यादव ने कहा कि मां नर्मदा के हर कंकर में शंकर दिखाई देते हैं। कांवड़िये नर्मदा जल लेकर अपने संकल्प को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्व और त्योहार जीवन में उत्साह, उमंग और उल्लास का संचार करते हैं तथा हमें कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति प्रदान करते हैं।

मुख्यमंत्री ने संस्कार कांवड़ यात्रा को अद्भुत बताते हुए दादा गुरु की तपस्या और त्याग की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी है। यात्रा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

मृगनयनी व एक जिला-एक उत्पाद पोर्टल शुरू

460 उत्पाद उपलब्ध; 16 हजार स्थानों तक होगी आपूर्ति, बुनकरों और शिल्पकारों के उत्पाद देशभर में पहुंचेंगे

- मुख्यमंत्री ने दो ऑनलाइन व्यापार पोर्टल का किया शुभारंभ
- 15 बुनकरों और शिल्पियों का सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में हथकरघा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित प्रदर्शनी का शुभारंभ-अवलोकन कर मिट्टी के शिवलिंग (पिंडी) का निर्माण किया।

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कुटीर एवं ग्रामोद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। प्रदेश के बुनकरों, शिल्पकारों और कलाकारों के उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय सभागार में हाथकरघा सप्ताह के तहत आयोजित बुनकर एवं शिल्पी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने मृगनयनी और एक जिला-एक उत्पाद बाजार नामक दो ऑनलाइन व्यापार पोर्टल का शुभारंभ किया। मृगनयनी पोर्टल पर फिलहाल 460 से अधिक उत्पाद उपलब्ध हैं, जिनकी संख्या जल्द एक हजार तक पहुंचाई जाएगी। मृगनयनी के उत्पादों की देशभर में 16 हजार से अधिक स्थानों पर आपूर्ति की जाएगी। प्रदेश के सात जिलों के कारीगरों द्वारा तैयार दो हजार से अधिक उत्पाद भी देशभर में पहुंचाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चंदेरी की साड़ी, महेश्वर की साड़ी, बाग की छपाई, सीधी की दरी और उज्जैन की बटिक जैसी वस्तुएं प्रदेश की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी भी अब कुटीर एवं ग्रामोद्योग उत्पादों को पसंद कर रही है। नए ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से इन उत्पादों को व्यापक बाजार मिलेगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य के लिए 15 बुनकरों और शिल्पकारों को सम्मानित किया। प्रथम पुरस्कार के रूप में एक लाख, द्वितीय के लिए 50 हजार, तृतीय के लिए 25 हजार और प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में 15 हजार रुपये तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में ढाई लाख से अधिक बुनकर, शिल्पकार और कलाकार इस क्षेत्र से जुड़े हैं। विभाग में कार्यरत 70 प्रतिशत महिलाएं हैं।

अहमदाबाद में 12 को मेगा निवेश संवाद करेंगे मुख्यमंत्री

गुजरात के प्रमुख उद्योग समूहों से चर्चा कर मध्यप्रदेश में निवेश का देंगे आमंत्रण

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास को गति देने और निवेश साझेदारी मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 12 अगस्त को अहमदाबाद में मेगा निवेश संवाद में शामिल होंगे।

इस दौरान वे गुजरात के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा कर मध्यप्रदेश में उपलब्ध निवेश अवसरों, औद्योगिक नीतियों और निवेशक सुविधाओं की जानकारी देंगे। मुख्यमंत्री आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए भी गुजरात के उद्योग जगत को आमंत्रित करेंगे। अहमदाबाद प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री अरविंद लिमिटेड, टोरेंट पावर और अडानी समूह के वरिष्ठ प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा हरी कृष्णा एक्सपोर्ट, चिरिपाल समूह और अग्रवाल समूह के प्रमुखों से भी निवेश संभावनाओं पर चर्चा होगी। बैठकों में वस्त्र, ऊर्जा, अधोसंरचना, विनिर्माण और औद्योगिक विस्तार से जुड़ी संभावित परियोजनाओं पर विचार किया जाएगा।

अहमदाबाद में आयोजित निवेशक संवाद में मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमता, आधुनिक अधोसंरचना और निवेश-अनुकूल नीतियों को प्रस्तुत किया जाएगा। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के अधिकारी प्रदेश में उपलब्ध निवेश अवसरों की जानकारी देंगे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से तकनीकी क्षेत्र, नवाचार, अनुसंधान, स्टार्टअप और उच्च प्रौद्योगिकी आधारित निवेश की संभावनाओं पर प्रस्तुति दी जाएगी। सरकार का मानना है कि गुजरात के मजबूत औद्योगिक आधार और मध्यप्रदेश में उपलब्ध भूमि, कनेक्टिविटी, ऊर्जा, मानव संसाधन तथा अनुकूल नीतियों के बीच बेहतर तालमेल से नए निवेश प्रस्ताव सामने आ सकते हैं। इससे औद्योगिक विस्तार और रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

मंत्री पंवार ने सुनीं कार्यकर्ताओं की समस्याएं

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मंत्री नारायण सिंह पंवार ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याएं और सुझाव सुने। उन्होंने कार्यकर्ताओं द्वारा रखे गए विषयों पर संबंधित अधिकारियों से तत्काल चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। मंत्री पंवार ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल वैद्य को श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल अरुण कुमार श्रीधर वैद्य के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा और सेवा के लिए श्रीधर वैद्य का समर्पण एवं सर्वोच्च बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

पूर्व राष्ट्रपति वी.वी. गिरि की जयंती पर नमन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न, वी.वी. गिरि की जयंती पर नमन किया। आपने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए त्याग और राष्ट्र के नवनिर्माण में श्री गिरि का योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

समान नागरिक संहिता के खिलाफ 16 से अभियान

महिला प्रतिनिधिमंडल जिलों में सौंपेगा राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम ज्ञापन, विधायक आरिफ मसूद ने दी जानकारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः समान नागरिक संहिता के खिलाफ 16 से 20 अगस्त तक प्रदेशभर में अभियान चलाया जाएगा। राजधानी में सोमवार को आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता में कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद, इंदौर से आए मुफ्ती जुनैद और भोपाल के मौलाना माज ने अभियान की जानकारी दी।

मसूद ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हाल में लाया गया कानून केवल मुसलमानों ही नहीं, बल्कि संविधान और आम जनता के मौलिक अधिकारों से जुड़ा विषय है। संविधान का अनुच्छेद 25 प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता देता है। उन्होंने दावा किया कि नए कानून से इन अधिकारों पर प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश विधानसभा में उन्होंने संशोधन प्रस्ताव देकर इसे प्रवर समिति को भेजने की मांग की थी, लेकिन सरकार ने इसे स्वीकार नहीं किया।

अभियान के पहले चरण में 16 से 20 अगस्त तक प्रत्येक जिले में राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल में 21 लोग होंगे, जिनमें 15 से 17 महिलाएं, युवतियां और युवा शामिल होंगे।

दूसरे चरण में जिलों में जनसंवाद केंद्र बनाए जाएंगे और विभिन्न समुदायों के लोगों को चर्चा के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

श्री मसूद ने बताया कि मामले में कानूनी कार्रवाई की तैयारी भी पूरी है। विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों को साथ लेकर कानूनी कदम उठाया जाएगा। मुफ्ती जुनैद ने वंचित वर्गों की आवाज उठाने के लिए प्रदेश स्तर पर 'राइट ऑफ द अनहर्ड' मंच बनाने की घोषणा की।

भोपालः भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल ने सोमवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में व्यापारी प्रकोष्ठ की बैठक लेकर विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी और व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक धीरज खण्डेलवाल उपस्थित रहे।

भोपाल मेट्रो की भूमिगत सुरंग का काम तेज, 260 मीटर खुदाई पूरी

- 60 फीट नीचे बन रही सुरंग, दो मशीनें एक साथ कर रहीं निर्माण
- दो भूमिगत स्टेशन होंगे तैयार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भोपाल मेट्रो के भूमिगत मार्ग में अब तक करीब 260 मीटर सुरंग तैयार हो चुकी है। दो सुरंग खोदने वाली मशीनें एक साथ काम कर रही हैं। यह भूमिगत मार्ग भोपाल रेलवे स्टेशन और नादरा बस स्टैंड के नीचे से होकर गुजरेगा। अधिकारियों के अनुसार अगले डेढ़ से दो वर्ष में भूमिगत मार्ग का निर्माण पूरा किया जा सकता है।

दोनों मशीनें भोपाल रेलवे स्टेशन से ऐशबाग की ओर करीब 60 फीट नीचे सुरंग बना रही हैं। पहली मशीन 160 मीटर और दूसरी 100 मीटर सुरंग तैयार कर चुकी है। मशीनें मिट्टी काटने के साथ सुरंग के भीतर प्रबलित कंक्रीट के स्थायी छल्ले भी लगा रही हैं।

निर्माण के दौरान भवनों और अन्य संरचनाओं में कंपन तथा जमीन के धंसने की लगातार निगरानी की जा रही है। श्रमिकों की सुरक्षा के लिए ताजी हवा की व्यवस्था और गैस की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। सुरक्षा व्यवस्था की चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। प्रदेश में पहली बार दो ऐसी सुरंग खोदने वाली मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। ऐशबाग से सिंधी कॉलोनी के बीच बनने वाला मार्ग घनी आबादी वाले क्षेत्रों को मेट्रो सुविधा से जोड़ेगा। खुदाई का काम 30 मार्च से शुरू हुआ था। इस मार्ग पर भोपाल रेलवे स्टेशन और नादरा बस स्टैंड के पास दो भूमिगत स्टेशन बनाए जाएंगे। दोनों स्टेशनों की लंबाई करीब 180-180 मीटर होगी। सुरंग 3.39 किलोमीटर लंबी होगी। नादरा स्टेशन के आगे बड़ा बाग के पास 143 मीटर लंबे ढलान के जरिए मेट्रो फिर जमीन के ऊपर आएगी।

स्कूलों में संस्कृत विषय के चयन पर जोर, जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश के शासकीय उच्च विद्यालय और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों को इस विषय का अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से उन विद्यालयों की जानकारी मांगी गई है, जहां संस्कृत शिक्षक पदस्थ हैं और विद्यार्थियों ने संस्कृत विषय चुना है। महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर संस्कृत विषय के चयन और अध्यापन को बढ़ावा देने के लिए कहा है। संस्थान के निदेशक ने पत्र में बताया कि जिन विद्यालयों में संस्कृत शिक्षक कार्यरत हैं, उनमें कक्षा नौवीं और 11वीं में संस्कृत विषय का अध्यापन नहीं कराया जा रहा है। ऐसे विद्यालयों में विद्यार्थियों को संस्कृत विषय चुनने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए हैं। चालू शिक्षा सत्र में संस्कृत विषय लेने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश की जानकारी शासन को भेजी जाएगी। साथ ही वर्ष 2025-26 में नौवीं और 11वीं में संस्कृत विषय लेने वाले विद्यार्थियों का विवरण भी मांगा गया है। उधर, उच्च शिक्षा विभाग ने वर्ष 2026-27 के लिए शासकीय महाविद्यालयों में कंप्यूटर और प्रबंधन की पढ़ाई कर रहे पात्र निशक्तजन विद्यार्थियों को एकीकृत संस्कृत छात्रवृत्ति देने का निर्णय लिया है। विद्यार्थियों को जीवन निर्वाह और परिवहन भत्ता भी दिया जाएगा। दोनों योजनाओं के लिए नए और नवीनीकरण आवेदन 31 अगस्त तक जमा किए जा सकेंगे।

पदोन्नति में देरी, शिक्षकों में आक्रोश, प्रक्रिया पूरी करने की मांग

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः प्रदेश में नवीन शिक्षक संवर्ग की पदोन्नति प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर शिक्षकों में असंतोष बढ़ रहा है। लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे पात्र शिक्षकों का कहना है कि प्रक्रिया वरिष्ठता, पात्रता और उपलब्ध रिक्त पदों के आधार पर पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी की जानी चाहिए।

शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने कहा कि यदि पदोन्नति आदेशों में किसी न्यायालयीन निर्णय या अन्य शर्त का उल्लेख किया जाता है, तो विभाग को उसकी स्थिति और प्रभाव के बारे में शिक्षकों को स्पष्ट जानकारी देनी चाहिए, ताकि भ्रम की स्थिति न बने।

संगठन ने प्राथमिक शिक्षक से माध्यमिक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक से उच्च माध्यमिक शिक्षक और उच्च माध्यमिक शिक्षक से उच्च विद्यालय के प्राचार्य पद पर पदोन्नति में हो रहे विलंब को समाप्त करने की मांग की है। संगठन के अनुसार अन्य विभागों में पदोन्नति की प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है, जबकि स्कूल शिक्षा विभाग में यह कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है।

शिक्षक संगठनों ने तत्काल स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर पदोन्नति प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरी करने और सभी पात्र शिक्षकों को जल्द लाभ देने की मांग की है। सितंबर-अक्टूबर में अगले दौर की विभागीय पदोन्नति समिति की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना के बीच संगठनों ने शीघ्र कार्रवाई पर जोर दिया है।

1758 करोड़ से भोपाल-विदिशा मार्ग होगा चार लेन

तीन बायपास से घटेगा आबादी वाले क्षेत्रों में यातायात दबाव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भोपाल-विदिशा मार्ग को चार लेन में विकसित करने की परियोजना को मंत्रिपरिषद की स्वीकृति के लिए प्रस्तावित किया गया है। परियोजना की कुल लागत 1,757 करोड़ 55 लाख रुपये है। संकर वार्षिकी पद्धति पर प्रस्तावित इस परियोजना के तहत 44.83 किलोमीटर लंबे वर्तमान दो लेन मार्ग को पक्के किनारों सहित चार लेन में उन्नत किया जाएगा।

यह मार्ग भोपाल के अयोध्या बायपास स्थित भानपुर टी-जंक्शन से शुरू होकर सूखी सेवनिया, दीवानगंज और सलामतपुर होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग-146 के सांची-सलामतपुर जंक्शन तक जाता है। मार्ग भोपाल, रायसेन और विदिशा जिलों को जोड़ता है। वर्तमान में यहां यातायात का दबाव निर्धारित क्षमता से अधिक है। महानगरीय क्षेत्र के विकास और भविष्य में बढ़ने वाले यातायात को देखते हुए मार्ग का विस्तार आवश्यक माना गया है। परियोजना में कुल 8.25 किलोमीटर लंबाई के तीन बायपास बनाए जाएंगे। इनमें सूखी सेवनिया में 1.80 किलोमीटर, बेरखेड़ी में 1.35 किलोमीटर और सलामतपुर में 5.10 किलोमीटर लंबा बायपास शामिल है। इससे आबादी वाले क्षेत्रों में वाहनों का दबाव कम होने और आवागमन सुरक्षित होने की उम्मीद है।

भोपाल-विदिशा मार्ग धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इसके आसपास सांची स्तूप, संग्रहालय, अशोक स्तंभ और उदयगिरि की गुफाएं सहित कई पुरातात्विक स्थल हैं। बेहतर सड़क संपर्क से भोपाल, विदिशा और सांची के बीच आवागमन सुगम होगा तथा पर्यटन, स्थानीय कारोबार और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इस मार्ग के विकसित होने से उत्तर-पूर्वी मध्यप्रदेश के सागर, दमोह, छतरपुर और पन्ना सहित अन्य क्षेत्रों की संपर्क व्यवस्था भी मजबूत होगी।

बचाव *गर्भवती महिला, बच्चों और श्रद्धालुओं समेत नागरिकों को सुरक्षित निकाला, 11 पशु भी बचाए*

पुलिस का बचाव अभियान, 98 लोगों की बचाई जान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश और नदी-नालों के उफान के बीच राज्य आपदा आपातकालीन प्रतिक्रिया बल और होमगार्ड की टीमों ने सोमवार को कई जिलों में व्यापक बचाव अभियान चलाकर 98 नागरिकों को सुरक्षित निकाला। इनमें गर्भवती महिला, महिलाएं, बच्चे, मजदूर और श्रद्धालु शामिल हैं। इस दौरान सात गोवंश और चार पालतू पशुओं को भी सुरक्षित बचाया गया।

सीहोर के ग्राम जामनी में नाले का जलस्तर बढ़ने से घर में 23 वर्षीय गर्भवती महिला गीता राजपूत और उनके तीन परिजन फंस गए थे। बचाव दल ने नौका की सहायता से सभी को सुरक्षित निकालकर एंबुलेंस तक पहुंचाया। अहमदपुर क्षेत्र में भी जलभराव में फंसे चार लोगों को सुरक्षित निकाला गया।

भोपाल के ग्राम बालमपुर में बांध की दीवार टूटने से रिहायशी क्षेत्र में पानी भर गया। यहां 19 नागरिकों और चार पालतू पशुओं को सुरक्षित बाहर निकाला गया। सूखी सेवनिया क्षेत्र में चार लोगों को भी तेज बहाव से बचाया गया।

विदिशा के ग्राम बामनखेड़ा में जलभराव में फंसे 15 मजदूरों, जिनमें दो महिलाएं, छह बच्चे और सात पुरुष शामिल थे, को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। ग्राम पथरिया में चार नागरिकों के साथ सात गोवंश को भी बचाया गया।

खंडवा के ओंकारेश्वर स्थित अभयपुरी घाट पर नदी के तेज बहाव में बह रहे तीन श्रद्धालुओं को बचाव दल के जवानों ने सुरक्षित बाहर निकाला। राजगढ़ के बाधाहेड़ी में मंदिर की छत पर शरण लिए 15 लोगों को बचाया गया। आगर मालवा में भी 30 से 40 नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

भोपाल स्थित मुख्यालय से संवेदनशील जिलों की लगातार निगरानी की जा रही है। जिला मुख्यालयों पर बचाव दल, वाहन, नौकाएं और आधुनिक उपकरण तैयार रखे गए हैं।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com